भारत में बैटरी अदला-बदली वाले ईवी ट्रकों के पहले बेड़े को सर्बानंद सोनोवाल ने जेएनपीए में हरी झंडी दिखाई

जेएनपीए का लक्ष्य *2026* तक अपने *600* ट्रकों के बेड़े का *90%* इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलना है, जो संपोषणीय रसद को एक बड़ा बढ़ावा देगा*":* सर्बानंद सोनोवाल

"भारतीय समुद्री क्षेत्र वैश्विक विकास के अनुरूप संपोषणीयता और दक्षता में नए मानक स्थापित कर रहा है*:* सर्बानंद सोनोवाल

जेएनपीए ने पत्तनों के लिए टैरिफ बेंचमार्किंग ढाँचा विकसित करने हेतु अशोक विश्वविद्यालय के आईसीपीपी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

मुंबई, 25 सितंबर, 2025: आज जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जेएनपीए) के न्हावा शेवा डिस्ट्रीब्यूशन टर्मिनल पर केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल ने अदला-बदली योग्य बैटरियों से सुसज्जित भारत के पहले विद्युत हैवी ट्रक बेड़े को हरी झंडी दिखाकर अनावरण किया। इसके साथ ही जेएनपीए, भारत के सभी पत्तनों में सबसे बड़ा ईवी ट्रक बेड़ा संचालित करने वाला पत्तन बन गया है, जिससे संपोषणीय रसद को नई गति मिलेगी।

इस अवसर पर एक हैवी-ड्यूटी बैटरी स्वैपिंग स्टेशन का भी शुभारंभ किया गया। जेएनपीए का लक्ष्य दिसंबर 2026 तक अपने लगभग 600 आंतरिक हैवी ट्रक बेड़े में से 90% को ईवी में परिवर्तित करने का है।

कार्यक्रम के दौरान, जेएनपीए और अशोका विश्वविद्यालय, दिल्ली स्थित आइज़ैक सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी (आईसीपीपी) के बीच एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता ज्ञापन का उद्देश्य लॉजिस्टिक्स कॉस्ट इंडेक्स तयार करना हैं - पत्तन प्राधिकरणों के लिए माल प्रकारों और वस्तुओं के लिए पत्तन शुल्क निर्धारित करने में कॉस्ट बेंचमार्किंग और पोर्ट बेंचमार्किंग दोनों दृष्टिकोणों से एक संदर्भ ढांचा तैयार करना है।

मंत्रालय के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए, माननीय केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री, श्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा, "आज, जब जेएनपीए अपने लॉजिस्टिक्स वाहनों के बेड़े के विद्युतीकरण का निर्णायक कदम उठा रहा है, तो यह पत्तन की सीमाओं से कहीं आगे तक एक संदेश भेजता है। यह संदेश देता है कि भारत के पत्तन भविष्य को अपनाने के लिए तैयार हैं और संपोषणीयता, कार्यक्षमता और नवाचार के

लिए मानदंड स्थापित करने वाले प्रथाओं में अग्रणी बनने के लिए तैयार हैं। देशभर में पत्तन सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं, एलएनजी और हाइड्रोजन ईंधन अवसंरचना, तथा कार्गो प्रहस्तन उपकरणों के विद्युतीकरण को लागू कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि भारतीय समुद्री क्षेत्र न केवल वैश्विक प्रगतियों के साथ कदम से कदम मिलाकर चले, बल्कि संपोषणीयता और दक्षता के नए मानक भी स्थापित करे।"

इस अत्याधुनिक ईवी ट्रक बेड़े का समावेश जेएनपीए के सागरी और लॉजिस्टिक पारिस्थितिकी तंत्र में कार्बन न्यूनीकरण और ऊर्जा संक्रमण की दिशा में एक और निर्णायक कदम को दर्शाता है। यह पहल प्राधिकरण के उस संकल्प को प्रतिबिंबित करती है कि वह वैश्विक संपोषणीयता के मानदंडों के साथ खुद को जोड़ते हुए परिचालन क्षमता को बढ़ाए और माल परिवहन मार्गों में कार्बन उत्सर्जन को कम करे। आज कुल 50 ट्रकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, तथा वर्ष के अंत तक इस बेड़े की संख्या 80 तक हो जाने की उम्मीद है।

उन्होंने आगे कहा, "हाल के महीनों में, जेएनपीए लगातार सही कारणों से चर्चा में रहा है—चाहे वह विश्व बैंक के सीपीपीआई सूचकांक में दुनिया के शीर्ष 25 पत्तनों में शुमार होना हो, कंटेनर प्रहस्तन में रिकॉर्ड बनाना हो, या एसईज़ेड, डिजिटलीकरण और हरित ऊर्जा से जुड़ी प्रमुख परियोजनाओं को आगे बढ़ाना हो।"

श्री आर. लक्ष्मणन, भा. प्र. से., संयुक्त सचिव, केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय, और श्री उन्मेष शरद वाघ, भा. रा. से., अध्यक्ष, जेएनपीए और अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, वीपीपीएल भी केंद्रीय मंत्री के साथ इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस अवसर पर बोलते हुए, जेएनपीए के अध्यक्ष एवं वीपीपीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री उन्मेष शरद वाघ. भा. रा. से., ने कहा, "ईवी ट्रकों के इस नए बेड़े का शुभारंभ न केवल हमारे रसद शस्त्रागार में एक क्रमिक वृद्धि का प्रतिनिधित्व करता है, बल्कि पत्तन परिचालन के लिए एक स्वच्छ, हरित और अधिक लचीले भविष्य की ओर एक आदर्श छलांग है। भारत के सबसे बड़े कंटेनर पत्तन के संरक्षक के रूप में, यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम ऐसे नवाचारों को अपनाएँ जो आर्थिक प्रगतिशीलता और पारिस्थितिकीय जिम्मेदारी का संतुलन साधें। ये ईवी ट्रक एक नए युग के संदेशवाहक होंगे, जहां संपोषणीयता केवल विकास की सहायक प्रक्रिया नहीं बल्कि इसका मूल आधार होगी।"

यह पहल विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत के लगभग आधे कंटेनर व्यापार को संभालने वाला जेएनपीए, राष्ट्रीय स्तर पर स्थायी लॉजिस्टिक्स की गति निर्धारित

करता है। यहाँ ईवी ट्रकों की तैनाती, प्रधानमंत्री गति शक्ति और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स पालिसी (एनएलपी) के तहत भारत के व्यापक लॉजिस्टिक्स परिवर्तन का प्रमाण है। पत्तन परिचालन के भीतर ईवी ट्रकों की तैनाती से, जेएनपीए:

१. राष्ट्रीय ऊर्जा परिवर्तन लक्ष्यों, विशेष रूप से 2070 तक भारत की शुद्ध-शून्य प्रतिबद्धता के साथ संरेखण प्रदर्शित करना।
२. उच्च-थ्रूपुट लॉजिस्टिक में व्यावसायिक स्तर पर ईवी अपनाने के माध्यम से राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन प्लान (NEMMP) का समर्थन करना।
३. पत्त परिसंस्था में परिचालन उत्सर्जन, कण प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण को कम करना।
४. माल प्रहस्तन और अंतिम-मील कनेक्टिविटी में ईवी अपनाने के लिए अन्य प्रमुख और अ-प्रमुख पत्तनों के लिए अनुकरणीय मानदंड स्थापित करना।

यह समारोह समुद्री क्षेत्र में उत्सर्जन कम करने के भारत सरकार के दृष्टिकोण के प्रति जेएनपीए की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जैसा कि मैरीटाइम इंडिया विज़न 2030 और ग्रीन पोर्ट्स पहल के अंतर्गत व्यक्त किया गया है। इस पहल के साथ, जेएनपीए उन प्रथाओं में अग्रणी बना हुआ है जो पर्यावरणीय संरक्षण को परिचालन उत्कृष्टता के साथ एकीकृत करती हैं, जिससे देश के पत्तन -आधारित विकास में एक अग्रणी के रूप में इसकी स्थिति और मज़बूत होती है।

जनेप प्राधिकरण के बारे में:

जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) भारत के प्रमुख कंटेनर हैंडलिंग पतनौ में से एक है। 26 मई 1989 को अपनी स्थापना के बाद से, जनेप प्राधिकरण ने एक बल्क कार्गो टर्मिनल से देश के प्रमुख कंटेनर पत्तन में परिवर्तन किया है।

वर्तमान में, जनेप प्राधिकरण पांच कंटेनर टर्मिनलों एन.एस.एफ.टी, एन.एस.आई.सी.टी, एन.एस.आई.जी.टी, बी.एम.सी.टी और ए.पी.एम.टी का संचालन करता है। पत्तन में सामान्य कार्गो के लिए उथले पानी की बर्थ भी है। जनेप प्राधिकरण पत्तन पर मौजूद लिक्विड कार्गो टर्मिनल का प्रबंधन बी.पी.सी.एल आई.ओ.सी.एल कंसोर्टियम द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त, नवनिर्मित तटीय बर्थ अन्य भारतीय पत्तनों को जोड़ता है और तटीय कंटेनरों के यातायात को बढ़ाने की सुविधा प्रदान करता है।

277 हेक्टेयर भूमि पर बसा जनेप प्राधिकरण भारत में निर्यातोन्मुखी उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ एक सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया बहु-उत्पाद एसईजेड भी संचालित करता है।

जेएनपीए, महाराष्ट्र में भारत के 13वें महा पत्तन, वाढवण में एक सभी मौसमों में सक्षम, गहरे ड्राबाव

वाला, ग्रीनफील्ड पतन भी विकसित कर रहा है। इसके वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 पत्तनो में शामिल होने की संभावना है, यह इसके स्थापना से ही 100% ग्रीन पोर्ट होगा।

अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट और सोशल मीडिया पर जाएँ:

जेएन पोर्ट : www.jnport.gov.in

लिंक्डइन: JNPA- Jawaharlal Nehru Port Authority

एक्स: @JNPort

इंस्टाग्राम: @jnpaport

फेसबुक: @JNPA

मीडिया पूछताछ के लिए, कृपया संपर्क करें:

अंबिका सिंह

वरिष्ठ प्रबंधक (विपणन), जनेप प्राधिकरण

मोबाइल नंबर: +91 9920372677

ईमेल: ambikasingh@jnport.gov.in

भारताचे पहिले अदलाबदल करता येणाऱ्या बॅटऱ्यांसह विद्युत ट्रक ताफ्याचे उद्घाटन जेएनपीए येथे सरबानंद सोनोवाल यांच्या हस्ते

"२०२६ पर्यंत ६०० ट्रक ताफ्यापैकी ९०% ट्रक ईव्हीमध्ये रूपांतरित करण्याचे जेएनपीएचे लक्ष्य, शाश्वत लॉजिस्टिक्सला मोठी चालना" : सर्बानंद सोनोवाल

"भारतीय सागरी क्षेत्र जागतिक घडामोडींनुसार शाश्वतता व कार्यक्षमतेत नवे मापदंड निर्माण करत आहे" : सर्बानंद सोनोवाल

बंदरांसाठी टॅरिफ बेंचमार्किंग फ्रेमवर्क विकसित करण्यासाठी जेएनपीएने अशोका विद्यापीठाच्या आयसीपीपीसोबत सामंजस्य करार केला

मुंबई, २५ सप्टेंबर २०२५: आज जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जेएनपीए) येथील न्हावा शेवा डिस्ट्रीब्युशन टर्मिनलवर केंद्रीय बंदरे, जहाजबांधणी आणि जलमार्ग मंत्री, श्री सर्बानंद सोनोवाल, यांनी स्वॅपेबल बॅटरी अदलाबदल करता येणाऱ्या भारतातील पहिल्या इलेक्ट्रिक हेवी ट्रकच्या ताफ्याला हिरवा झेंडा दाखवला. यामुळे शाश्वत लॉजिस्टिक्सला चालना देत, जेएनपीए हे भारतातील बंदरांमध्ये सर्वात मोठा ईव्ही ट्रक ताफा असलेले बंदर ठरले आहे.

या सोबतच एक हेवी-ड्युटी बॅटरी स्वॅपिंग स्टेशन देखील कार्यान्वित करण्यात आले. जेएनपीए डिसेंबर २०२६ पर्यंत त्यांच्या सुमारे ६०० वाहनांच्या अंतर्गत हेवी ट्रक ताफ्यांपैकी ९०% चे रूपांतर करण्याचे उद्दिष्ट ठेवते.

कार्यक्रमादरम्यान जेएनपीए आणि दिल्ली येथील अशोका विद्यापीठाच्या आयझॅक सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी (आयसीपीपी) यांच्यात सामंजस्य करार करण्यात आला. या कराराचा उद्देश लॉजिस्टिक कॉस्ट इंडेक्स तयार करणे आहे जेणेकरून विविध मालप्रकार व वस्तूंसाठी बंदर शुल्क ठरविताना कॉस्ट बेंचमार्किंग आणि पोर्ट बेंचमार्किंग या दोन्ही दृष्टिकोनातून एक संदर्भ चौकट तयार कर्णायत येईल.

मंत्रालयाच्या दृष्टिकोनावर प्रकाश टाकताना, माननीय केंद्रीय बंदरे, जहाजबांधणी आणि जलमार्ग मंत्री, श्री. सर्बानंद सोनोवाल म्हणाले, "आज जेव्हा जेएनपीए आपली लॉजिस्टिक वाहने इलेक्ट्रिक करण्याचा निर्णायक टप्पा गाठते, तेव्हा हा संदेश फक्त बंदरापुरताच मर्यादित राहत नाही. हा संदेश आहे की भारतातील बंदरे भविष्यातील बदलाच्या स्वागतासाठी सज्ज आहे, शाश्वतता, कार्यक्षमता आणि नवोपक्रम यामध्ये आदर्श निर्माण करण्यास तयार आहेत. देशभरातील बंदरे सौर व पवन ऊर्जा प्रकल्प, एलएनजी व हायड्रोजन इंधन अधोसंरचना तसेच कार्गो हँडलिंग उपकरणांचे

विद्युतीकरण यांसारखे उपक्रम राबवत आहेत. पंतप्रधान श्री नरेंद्र मोदीजी यांच्या दूरदर्शी नेतृत्वाखाली, आम्ही हे सुनिश्चित करत आहोत की भारतीय सागरी क्षेत्र केवळ जागतिक घडामोडींशी जुळवून घेत नाही तर शाश्वतता आणि कार्यक्षमतेमध्ये नवीन मापदंड देखील स्थापित करते.

आधुनिक ईव्ही ट्रकचा समावेश हा जेएनपीएच्या सागरी व लॉजिस्टिक परिसंस्थेतील कार्बन कमीकरण आणि ऊर्जा संक्रमणाच्या ध्येयाकडे आणखी एक निर्णायक पाऊल आहे. या उपक्रमातून प्राधिकरणाने जागतिक शाश्वततेच्या उद्दिष्टांशी स्वतःला जोडून घेण्याचा निर्धार अधोरेखित होतो तसेच मालवाहतूक मार्गांमध्ये कार्यक्षमतेत वाढ घडवून आणत कार्बन उत्सर्जन कमी करण्याचा प्रयत्न अधोरेखित होतो. आज, एकूण ५० ट्रकना हिरवा झेंडा दाखवण्यात आला, वर्षाच्या अखेरीस ताफ्यात ८० पर्यंत वाढ होण्याची अपेक्षा आहे.

ते पुढे म्हणाले, "अलिकडच्या काही महिन्यांत, जेएनपीए योग्य कारणांसाठी सातत्याने बातम्यांमध्ये आहे - मग ते जागतिक बँकेच्या सीपीपीआय निर्देशांकात जागतिक स्तरावरील प्रमुख २५ बंदरांमध्ये स्थान मिळवणे असो, कंटेनर हाताळणीमध्ये विक्रम साध्य करणे असो किंवा सेझमधील महत्त्वाचे प्रकल्प पुढे नेणे, डिजिटलायझेशन आणि हरित ऊर्जा असो. आजचा हा कार्यक्रम त्या यशाच्या मुकुटात आणखी एक मानाचा तुरा ठरतो."

केंद्रीय मंत्र्यांसोबत या कार्यक्रमात श्री आर. लक्ष्मणन, भा. प्र. से., संयुक्त सचिव, एमओपीएसडब्ल्यू आणि श्री उन्मेष शरद वाघ, भा. रा. से, अध्यक्ष, जेएनपीए आणि व्हीपीपीएलचे अध्यक्ष व व्यवस्थापकीय संचालक हे देखील सहभागी झाले होते.

या प्रसंगी बोलताना, जेएनपीएचे अध्यक्ष आणि अध्यक्ष व व्यवस्थापकीय संचालक श्री. उन्मेष शरद वाघ, भा. रा. से., "नव्या ईव्ही ट्रक ताफ्याचा लोकार्पण हा केवळ आमच्या लॉजिस्टिक क्षमतेतील टप्प्याटप्प्याने होणारा विकास नसून बंदर कारभारासाठी स्वच्छ, हरित आणि अधिक सक्षम भविष्यातील दिशेने झालेली महत्त्वपूर्ण झेप आहे. भारतातील सर्वात मोठ्या कंटेनर बंदराचे विश्वस्त म्हणून आर्थिक प्रगती आणि पर्यावरणीय जबाबदारी यांचा समतोल साधणाऱ्या नवोपक्रमांना स्वीकारणे ही आमची जबाबदारी आहे. हा ईव्ही ट्रकचा ताफा एका अशा नव्या युगाची दूत ठरेल जिथे शाश्वतता ही केवळ विकासाला जोडलेली बाब नसून विकासाचा पाया असेल."

या उपक्रमाला विशेष महत्त्व आहे कारण भारताच्या जवळपास निम्म्या कंटेनर व्यापाराचे हाताळणी करणारे जेएनपीए राष्ट्रीय स्तरावर शाश्वत लॉजिस्टिकसाठी गती निर्माण करत आहे. येथे ईव्ही ट्रकची तैनाती ही पीएम गति शक्ती आणि राष्ट्रीय

लॉजिस्टिक धोरण (एनएलपी) अंतर्गत भारताच्या व्यापक लॉजिस्टिक परिवर्तनाचे प्रत्यक्ष उदाहरण ठरते. बंदर कारभारात ईव्ही ट्रकचा समावेश करून जेएनपीए पुढील बाबींमध्ये योगदान देणार आहे :

१. राष्ट्रीय ऊर्जा संक्रमण उद्दिष्टांशी, विशेषतः २०७० पर्यंत भारताच्या निव्वळ-शून्य वचनबद्धतेशी सुसंगतता दाखवणे.
२. उच्च-थ्रूपुट लॉजिस्टिक्समध्ये व्यावसायिक-प्रमाणात ईव्ही स्वीकारण्याचे प्रदर्शन करून राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन प्लॅन (NEMMP) ला पाठिंबा देणे.
३. बंदर परिसंस्थेमध्ये ऑपरेशनल उत्सर्जन, कण प्रदूषण आणि आवाज कमी करणे.
४. कार्गो-हँडलिंग आणि शेवटच्या मैलाच्या कनेक्टिव्हिटीसाठी ईव्ही स्वीकारण्यासाठी इतर प्रमुख आणि अ-प्रमुख बंदरांसाठी एक प्रतिकृतीयोग्य बेंचमार्क स्थापित करणे.

मेरीटाईम इंडिया व्हिजन २०३० आणि ग्रीन पोर्ट्स उपक्रमांतर्गत स्पष्ट केल्याप्रमाणे, सागरी क्षेत्रातील उत्सर्जन कमी करण्याच्या भारत सरकारच्या दृष्टिकोनाप्रती जेएनपीएची दृढ वचनबद्धता या समारंभात अधोरेखित केली आहे. या उपक्रमाद्वारे, जेएनपीए पर्यावरणीय जबाबदारी आणि कार्यक्षमतेची उत्कृष्टता यांचा समन्वय करणाऱ्या नवोपक्रमांना पुढाकार देत राहतो, आणि त्यामुळे राष्ट्रीय बंदर-आधारित विकासात मार्गदर्शक म्हणून आपले स्थान अधिक बळकट करतो.

जनेप प्राधिकरणाबद्दल:

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) हे भारतातील प्रमुख कंटेनर हाताळणी बंदरांपैकी एक आहे. 26 मे 1989 रोजी स्थापना झाल्यापासून, जनेप प्राधिकरण एक बल्क कार्गो टर्मिनलवरून देशातील प्रमुख कंटेनर बंदरात रूपांतरित झाले आहे.

सध्या, जनेप प्राधिकरण पाच कंटेनर टर्मिनल्स चालवते एन एस एफ टी, एन एस आय सी टी, एन एस आय जी टी, बी एम सी टी आणि ए पी एम टी बंदरात सामान्य मालवाहतुकीसाठी उथळ पाण्याचा बर्थ देखील आहे. जनेप प्राधिकरण पोर्टवर उपस्थित असलेले लिक्विड कार्गो टर्मिनल बीपीसीएल-आयओसीएल कन्सोर्टियम द्वारे व्यवस्थापित केले जाते. या व्यतिरिक्त, नव्याने बांधलेला किनारी धक्का इतर भारतीय बंदरांना जोडतो आणि किनारपट्टीवरील कंटेनरची वाहतूक वाढवते.

277 हेक्टर जमिनीवर वसलेले, जनेप प्राधिकरण भारतातील निर्यात-केंद्रित उद्योगांना चालना देण्यासाठी, अत्याधुनिक पायाभूत सुविधांसह, काळजी पूर्वक डिझाइन केलेले बहुउत्पादक विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) देखील चालवते.

जेएनपीए वाढवण येथे एक सर्व-हवामान, डीप ड्राफ्ट, ग्रीनफिल्ड बंदर विकसित करत आहे, जे महाराष्ट्रातील भारताचे १३वे मोठे बंदर असेल. हे जागतिक स्तरावरील सर्वोत्कृष्ठ १० बंदरांमध्ये स्थान मिळवणार आहे आणि स्थापनेपासून १००% हरित बंदर असेल.

अधिक माहितीसाठी आमच्या वेबसाइट आणि सोशल मीडियाला भेट द्या:

जेएन पोर्ट : www.jnport.gov.in

लिंक्डइन: JNPA- Jawaharlal Nehru Port Authority

एक्स: @JNPort

इंस्टाग्राम: @jnpaport

फेसबुक: @JNPA

मीडिया चौकशीसाठी, कृपया संपर्क साधा:

जनेप प्राधिकरण:

अंबिका सिंग

सीनियर मॅनेजर (मार्केटिंग), जनेप प्राधिकरण

मोबाईल क्रमांक: +919920372677

ईमेल: ambikasingh@jnport.gov.in

India's First Fleet of EV Trucks with Swappable Batteries Flagged Off at JNPA by Sarbananda Sonowal

* *"JNPA Targets 90% Conversion of Its 600-Truck Fleet to EVs by 2026, a massive boost to Sustainable Logistics"*: Sarbananda Sonowal
* *"Indian Maritime Sector Sets New Benchmarks in Sustainability & Efficiency in line with Global Developments:"* Sarbananda Sonowal
* JNPA Signs MoU with Ashoka University's ICPP to Develop Tariff Benchmarking Framework for Ports

Mumbai, September 25th, 2025: The **Union Minister of Ports, Shipping & Waterways (MoPSW), Sarbananda Sonowal** flagged off India's first fleet of electric heavy trucks with swappable batteries at the Nhava Sheva Distribution Terminal in Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) today. This also made JNPA with the largest EV truck fleet in any of the India's ports boosting sustainable logistics.

A heavy-duty battery swapping station was also commissioned. JNPA aims to convert 90% of its internal heavy truck fleet of about 600 vehicles by December 2026.

During the event, an MoU was also signed between JNPA and Isaac Centre for Public Policy (ICPP), Ashoka University, Delhi. This MoU is to create a reference framework for port authorities to determine tariffs from both cost benchmarking and port

benchmarking perspectives, across various cargo types and commodities.

Highlighting the government's vision, **Union Minister of Ports, Shipping and Waterways (MoPSW), Sarbananda Sonowal**, stated, "*Today, when JNPA takes a decisive step in electrifying its fleet of logistics vehicles, it sends a message far beyond port boundaries. It sends a message that India's ports are ready to embrace the future, ready to pioneer practices that will set benchmarks for sustainability, efficiency, and innovation. Across India, ports are introducing solar and wind power projects, LNG and hydrogen fuel infrastructure, and electrification of cargo handling equipment. Under the visionary leadership of Prime Minister Shri Narendra Modi ji, we are ensuring that the Indian maritime sector not only keeps pace with global developments but also sets new benchmarks in sustainability and efficiency.*"

This induction of state-of-the-art EV trucks marks another decisive stride in JNPA's pursuit of decarbonisation and energy transition in the maritime and logistics ecosystem. The initiative reflects the Authority's determination to align itself with global sustainability imperatives while also bolstering operational efficiency and reducing carbon footprints across cargo movement corridors. Today, a total of 50 trucks were flagged off, with the fleet expected to expand to 80 by the end of the year.

Sarbananda Sonowal further added, "*In recent months, JNPA has consistently been in the news for the right reasons — be it ranking among the Top 25 Ports globally in the World Bank's CPPI index, achieving records in container handling, or advancing key projects in the SEZ, digitalisation, and green energy. Today's event adds another jewel to that crown of achievements.*"

R. Lakshmanan, IAS, Joint Secretary, MoPSW, and **Unmesh Sharad Wagh, IRS, Chairperson, JNPA and CMD VPPL** also joined the event with the Union Minister.

Speaking on the occasion, **Unmesh Sharad Wagh, IRS, Chairperson, JNPA, and CMD, VPLL**, said, *"The launch of this new fleet of EV trucks represents not merely an incremental enhancement of our logistical arsenal, but a paradigmatic leap towards a cleaner, greener, and more resilient future for port operations. As custodians of India's largest container port, it is incumbent upon us to embrace innovation that reconciles economic dynamism with ecological responsibility. This fleet of EV trucks will serve as harbingers of a new era, wherein sustainability is not an adjunct to growth but its very foundation."*

This initiative carries special significance as JNPA, handling nearly half of India's container trade, sets the pace for sustainable logistics at a national scale. The deployment of EV trucks here serves as a proof point for India's broader logistics transformation under PM Gati Shakti and the National Logistics Policy (NLP). By deploying EV trucks within port operations, JNPA will be:

1. Demonstrating alignment with national energy transition goals, particularly India's net-zero commitment by 2070.

2. Supporting the National Electric Mobility Mission Plan (NEMMP), by showcasing commercial-scale EV adoption in high-throughput logistics.

3. Reducing operational emissions, particulate pollution, and noise within the port ecosystem.

4. Establishing a replicable benchmark for other major and non-major ports to follow in adopting EVs for cargo-handling and last-mile connectivity.

The ceremony underscores JNPA's steadfast commitment to the Government of India's vision of reducing emissions in the maritime sector, as articulated under the Maritime India Vision 2030 and Green Ports initiative. With this initiative, JNPA continues to pioneer practices that integrate environmental stewardship with operational excellence, thereby reinforcing its position as a trailblazer in the nation's port-led development.

———————————- ENDS ———————————